Daily Prayer

I pray to Thee, most humbly, O' Almighty God, to shower your kind blessings on me and all members of my family so that we lead a life worthy of your glory. I seek your guidance as also that of other Holy Spirits to enable us to perform our right duties. Let your Grace permeate our thoughts, speech, actions, conduct and disposition.

O' Master, let purity be the hallmark of our life. Give us strength to earn merit through benevolence. Pardon us for all our past evil thoughts, utterances and deeds. I pray to Thee to dispel covetousness from our minds so that we do not hate others or envy their riches and prosperity, which they might be enjoying due to their merit. May we tread the path of righteousness.

O' God, let our households be filled with peace and happiness. Let humility triumph over conceit and egotism. Let gratitude be not paid by ingratitude. This prayer, I make at you scared feet, my Lord as a provision for a more purposeful life.

|| ॐ ||

दैनंदिन प्रार्थना

हे भगवन! हमारे परिवार के उद्धार के लिए जो महान विभूतियां स्वयं कष्ट सहकर भी हर पल जूझ रही हैं, उनके उपदेशों तथा आदेशानुसार हमारा आचरण पवित्र हो, ऐसी कृपा कीजिये |

अब तक हमारे द्वारा किये गये पापों तथा प्रमादों की पुनरावृत्ति न हो|

विकट, आर्थिक तथा अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण परेशान होकर तथा क्षुद्र मनोविकारों के आधीन होकर, अथवा संकुचित विचारों से वशीभूत होकर, हमारे मन मे आलस्य अथवा अज्ञानवश उनके प्रति अयोग्य विचार आये हों, अथवा अयोग्य विचार हमारे मुंह से निकले हों, अथवा उनके आदेशों के विपरीत कोई भी कार्य हुआ हो तो उसके लिए, उन सबके प्रति मैं आपकी तथा उन सबकी निस्पृह भाव से क्षमा चाहता/ चाहती हूँ |

हमारे परिवार मे सदा सुख, शान्ति, सन्तोष तथा एक दूसरे के प्रति ममता और आनन्द हमेशा बना रहे |

उसी प्रकार आपके प्रति अटूट श्रद्धा हम सबके ह्रदय मे सदा जागृत रहे |

उन्होंने सोचा हुआ महान कार्य, हम अपने शेष जीवन मे पूरा करने मे यशस्वी हो सके, तथा अन्य भी अनेक सत्कृत्य करते रहे | इस प्रकार वे महान, दिव्य आलौकिक विभूतियां हम पर सदा खुश रहे तथा हमारे परिवार पर आपकी भी कृपादृष्टि इसी तरह बनी रहे |

हे प्रभु! हमारे परिवार के सभी सदस्यों को अपना -अपना कर्त्तव्य-कर्म निभाने की बुद्धि दीजिये |

पूर्व जन्मों के सत्कर्मो के अनुसार यद्यपि हममे से कुछ व्यक्ति आज सुखमय जीवन व्यतीत कर रहे है, फिर भी "अगले जन्मों की चिन्ता मनुष्य को इसी जन्म मे करनी चाहिए" अपने इस पवित्रवचन से आपने संसार को जो पाठ पढ़ाया है, उसके अनुसार व उपकारों का बदला अपकारो से न हो ऐसी बुद्धि, हे दया निधान, परिवार के प्रत्येक व्यक्ति को आप दीजिए, केवल इतनी ही दुआ, आपके चरणों मे अत्यन्त दीन भाव से मांग रहा / रही हूँ |

|| शुभं भवतु ||